अगस्त, 2016 - तेल ताड़ खेती के प्रबंधन के लिए सुझाव

- तेल ताड़ कि प्रथमवर्ष में **49** कि.ग्रा यूरिया, **71** कि. ग्रा सिंगल सुपर फॉस्फेट, **38** कि. ग्रा मुरेट ऑफ़ पोटाश चार दफा में और **7** कि.ग्रा मैग्नीशियम सलफेट दो दफा में एक साल / एक एकड देना चाहिए।

- तेल ताड़ कि दूसरे वर्ष में **99** कि.ग्रा यूरिया, **142** कि. ग्रा सिंगल सुपर फॉस्फेट, **76** कि. ग्रा मुरेट ऑफ़ पोटाश चार दफा में और **14** कि.ग्रा मैग्नीशियम सलफेट दो दफा में एक साल /एक एकड देना चाहिए।

- तीन साल उम्र और उससे अधिक आयु पौधों को **148** कि.ग्रा यूरिया, **213** कि. ग्रा सिंगल सुपर फॉस्फेट, **114** कि. ग्रा मुरेट ऑफ़ पोटाश चार दफा में और **28** कि.ग्रा मैग्नीशियम सलफेट दो दफा में एक साल / एक एकड देना चाहिए।

- तेलताद खेती में सिफारिस कि उर्वराखों को साल में चार बराबर हिसों में बंटकर देना चाहिए!

- तेल ताड़ कि खेती में खरपतवारों से साफ़ थाले में वृक्ष के आधार से लगभग **50** सेंटीमीटर दूर अवशोषक जड़ों के पास छितराकर उर्वरक देने चाहिए ! उर्वरक को पांचे द्वारा मिट्टी में अच्छी तरह मिला दे ! उर्वरक देने के तुरंत बाद वृक्ष की सिंचाई करें !

- नई रोपी गयी तेल ताड़ फसल में रोपाई के तीन महीने बाद उर्वरकों कि पहली सुराक देनी चाहिए ! उर्वरक की दूसरी खुराक के साथ **50-100** कि.ग्रा गोबर की खाद या **100** कि.ग्रा हरी खाद प्रति वृक्ष को देनी चाहिए ! प्रति वृक्ष को **5** कि.ग्रा नीम कि खली भी दे सकते है !